आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :342 पृष्ठ -4 दिनांक 16 दिसम्बर 2024 दिन सोमवार

पीएम मोदी की इस बात पर मुस्कुराने लगे अखिलेश यादव और डिंपल

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर लोकसभा में हुई चर्चा

उत्तरप्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 'खून चखने' के बाद संविधान को बार–बार 'लहूलुहान' किया. 'संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा' पर लो. कसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर जमकर जुबानी हमले किए. लेकिन इस दौरान अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के सांसदों का रिएक्शन काफी चर्चा में रहा. पीएम मोदी ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, श्यहां भी कई ऐसे दल बैठे हुए हैं जिनके मुखिया भी जेल में हुआ करते थे. ये उनकी मजबूरी है कि वो वहां जाकर बैठे हुए हैं. उनको भी जेलों में ठूस दिया गया था.श लेकिन पीएम के इस बयान

के दौरान अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ अवधेश प्रसाद भी हंसते हुए नजर आए. उनकी मुस्कुराहट कुछ संदेश दे रही थी. हालांकि किसी ने इस दौरान कुछ नहीं कहा. दरअसल, प्रधानमंत्री अपने इस बयान के दौरान आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर जुबानी हमला कर रहे थे. आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल के माथे से यह कलंक कभी नहीं मिट सकेगा. इस परिवार ने हर स्तर पर संविधान को चुनौती दी.लोकतंत्र का गला घोंट दिया–

पीएम मोदी उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा, "दुनिया में जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो कांग्रेस के माथे से कभी यह कलंक मिट नहीं सकेगा क्योंकि लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था. भारतीय संविधान निर्माताओं की तपस्या को मिट्टी में मिलाने की कोशिश की गई थी.' उन्हा. ने कहा कि 1971 में उच्चतम न्यायालय का एक फैसला आया था, उस फैसले को संविधान बदलकर पलट दिया गया और "हमारे देश की अदालत के पंख काट दिए थे." प्रधानमंत्री ने दावा किया कि नेहरू–गांधी परिवार की वर्तमान पीढ़ी भी संविधान की कितना सम्मान करती है, यह बात किसी से छिपी नहीं है. कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है. इस परिवार ने हर स्तर पर संविधान को चुनौती दी. बता दें कि पीएम मोदी ने लोकसभा में शनिवार को चर्चा में हिस्सा लिया.

अखिलेश यादव ने PM मोदी के भाषण को बताया जुमलों का संकल्प

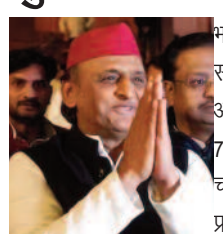

भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने को लोकसभा में कई मुद्दों पर बात कही. इस दौरान पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर भी जमकर निशान साधा. वहीं अब पीएम मोदी के लोकसभा में दिए गए भाषण पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और सपा सांसदों की प्रतिक्रिया सामने आई है.सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा–ष्यह बहुत लंबा भाषण था, आज हमें 11 जुमलों का संकल्प सुनने को मिला. जो परिवारवाद की बात कर रहे हैं उनके खुद के दल में (परिवारवाद)भरा पड़ा है. जातीय जनगणना को लेकर लगातार हम लोग आगे बढ़ रहे हैं और वो दिन आएगा जब जातिगत जनगणना भी होगी और आबादी के हिसाब से लोगों को अधिकार और सम्मान भी मिलेगा.मणिपुर मुद्दे पर कुछ नहीं कहा– पीएम मोदी वहीं लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने कहा, ष्हम निराश हैं कि उन्होंने (पीएम मोदी) संविधान के बारे में बात की लेकिन उन्होंने संभल, यूपी में कानून और व्यवस्था की स्थिति, अल्पसंख्यकों के अधिकार और मणिपुर मुद्दे पर कुछ नहीं कहा. उन्होंने लोगों के मुद्दों को संबोधित नहीं किया इसके साथ ही सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा भाषण पर कहा, ष्आज जब प्रधानमंत्री सदन में बोल रहे थे, तो उम्मीद थी कि वह बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान में दलितों और पिछड़े समुदायों को दिए गए आरक्षण के प्रावधानों पर बात करेंगे. बोलते समय उन्हें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और इस देश के सभी लोगों के लिए क्या हासिल हुआ है, इसकी समीक्षा करनी चाहिए थी और विस्तृत विवरण प्रस्तुत करना चाहिए था.नई बातों से उम्मीद लगाना बेकार है–धर्मेंद्र यादव सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, प्रधानमंत्री के अगर पुराने संकल्प पूरे हुए होते तो नए संकल्पों पर चर्चा भी की जा सकती थी.बहुत सारी बातें प्रधानमंत्री 2014 से करते आ रहे हैं. पुरानी बातें जब तक पूरी नहीं होतीं तब तक नई बातों से उम्मीद लगाना बेकार है.

बीजेपी विधायक हरीश शाक्य ने खुद के ऊपर लगे गैंगरेप और जमीन हड़पने के आरोप

बदायूं भाजपा विधायक सहित 16 लोगों पर यौन उत्पीड़न और करोड़ो की जमीन हड़पने के मामले मे कोर्ट के आदेश से मामला दर्ज होगा. पीड़ित ने ।ब्श्रड–2 की अदालत मे न्याय की गुहार लगाई थी. कोर्ट ने पुलिस को मामला दर्ज कर जाँच करने के आदेश दिए हैं. वहीं भा. जपा विधायक हरीश शाक्य ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है, बीजेपी विधायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, उनके खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र किया जा रहा हैदरअसल बिल्सी विधानसभा क्षेत्र से भा. जपा विधायक हरीश शाक्य और उनके दो भाइयों सहित कुल 16 लोगो पर ललित नाम के व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि, विधायक और उनके साथियों ने उसकी जमीन हड़पने को लेकर उसे प्रताड़ित किया. विधायक से 80 लाख रुपया बीघा जमीन का रेट तय हो गया था. हमारी कुल 17 बीघा जमीन की बात हुई, लेकिन वह जबरदस्ती जमीन का एग्रीमेंट करवाना चाह रहे थे. मना करने पर उन लोगों ने घर पर बुला कर मेरी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि तेरे ऊपर पुलिस से फर्जी केस दर्ज कराऊंगा और जेल भिजवा दूंगा पीड़ित ने इस आशय का एक प्रार्थना पत्र न्यायलय मे दिया, जिसपर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय ने एक आदेश जारी करते हुए थाना सिविल लाइन को यह आदेश दिया है कि, सुसंगत धाराओं मे मामला दर्ज कर जांच करे और दस दिन मे कोर्ट को कार्यवाही से अवगत करायें. वहीं पीड़ित की मां कहना है कि विधायक को प्रॉपर्टी नहीं मिलने से उसने हमारा जीना हराम कर दिया. पिछले दो वर्ष से यह लोग हमारे पीछे पड़े हैं विधायक ने तो हमको सब तरह से खो दिया. हमारी इज्जत और हमारी सम्पति सब तरह से हमें तबाह कर दिया. मेरे खिलाफ किया जा रहा षड्यंत्र वहीं पूरे मामले पर बिल्सी विधायक हरीश शाक्य का कहना है कि

उनके खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र किया जा रहा है इससे पूर्व जिस व्यक्ति ने प्रा. र्थना पत्र दिया है उसके द्वारा रजिस्ट्री में जाकर लगभग 60 बैनामे किए गए हैं अगर मैं किसी प्रकार का दवाब बन रहा था तो वह बार–बार रजिस्ट्री जाकर बैनामा कैसे कर सकता है यह पूरा मामला मेरी राजनीतिक छवि को धूमिल करने का है उन्होंने कहा कि पीड़ित पक्ष ने जो यौन शोषण के आरोप लगाये हैं उसके बाद दिये गये प्रार्थना पत्र में इस घटना का कोई जिक्र नही है

पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए 44 जिलों में BJP ने उतारी फौज

उत्तरप्रदेश भजनलाल सरकार के एक साल पूरे होने और 17 दिसम्बर को जयपुर के दादिया में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए बीजेपी ने बड़ी तैयारी की है. विधिवत, पांच दिनों से इसके लिए काम भी चल रहा है. 44 जिलों में एक–एक जिला समन्वयक बनाए गए हैं. इसके लिए कार्यक्रम संयोजक पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को बनाया गया है. राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के आधुनिक भागीरथ बनकर संशोधित ईआरसीपी के माध्यम से 21 जिलों को पीने का पानी 251000 हेक्टेयर नया सिंचित क्षेत्र और 152000 हैक्टयर सिंचित क्षेत्र का पुर्नरुद्धार करने की दिशा में काम कर रहे हैं. वहीं स्वर्गीय भ. रो सिंह शेखावत के समय हरियाणा के साथ यमुना जल समझौते को 32 वर्ष बाद धरती पर उतारने का काम मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व का परिणाम है. ये है जिला संयोजकों की लिस्ट सीआर चौधरी को बीकानेर शहर,जगतनारायण जोशी को बीकानेर देहात,दशरथ सिंह शेखावत को श्रीग. गानगर इन्द्रा चौधरी को हनुमानगढ़,संतोष अहलावत को चूरू,नारायण सिंह देवल को जयपुर शहर,संजीव भारद्वाज को जयपुर देहात (दक्षिण),ओमप्रकाश भडाना को जयपुर देहात (उत्तर),वासुदेव चावला को सीकर,लक्ष्मीकांत भारद्वाज को अलवर दक्षिणहमीद खान मेवाती को अलवर उत्तर,ओम सारस्वत को झुन्झुनूं,अजीत मांडण को दौसा सोमकान्त शर्मा को भरतपुर,पंकज मीणा को धौलपुर, नारायण मीणा को करौली मोती लाल मीणा को सवाई माधोपुर,प्रसन्न चन्द मेहता को अजमेर शहर,विजेन्द्र पूनियां को अजमेर देहात,चम्पा लाल गेदर को टोंक,मिथलेश गौतम को भीलवाड़ा,पुखराज पहाडिया को नागौर शहर,अशोक सैनी को नागौर देहात,कैलाश चौधरी को जोधपुर शहर,महेन्द्र बोहरा को जोधपुर देहात दक्षिण ,अन्नतराम विश्नोई को जोधपुर देहात उत्तर,सांवलाराम देवासी को पाली,डॉ. महेन्द्र कुमावत को जालौर,रेवन्त सिंह राजपुरोहित को सिरोही,आईदान सिंह भाटी को बाड़मेर,राजेन्द्र बोराणा को बालोतरा भोपाल सिंह बडला को जैसलमेर,नाहर सिंह जोधा को उदयपुर देहात और उदयपुर शहर गजपाल सिंह राठौड को राजसमन्द,अनिता कटारा को बांसवाड़ा,कमलेश पुरोहित को डूंगरपुर, पिंकेश पोरवाल को चित्तौड़गढ़,श्रवण सिंह राव को प्रतापगढ़,भूपेन्द्र सैनी को कोटा देहात और कोटा देहात,पारस जैन को बारां,अंकित चेची को बूंदी ,छगन माहुर को झालावाड़

डॉक्टरों की लापरवाही से महिला की जान को खतरा, ऑपरेशन के बाद पेट में छोड़ा रूमाल

उत्तरप्रदेश सहारनपुर में डॉक्टरों की ला. परवाही की वजह से एक महिला मरीज की जिंदगी पर बन आई है. ये पूरा मामला सहारनपुर के जिला महिला अस्पताल का है, जहां पर बीते माह 25 नवंबर को करिश्मा नाम की एक महिला की डिलीवरी हुई थी. जिला अस्पताल में महिला ने मेजर ऑपरेशन के बाद एक लड़की को जन्म दिया था. इस ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई, डॉक्टरों ने महिला मरीज के पेट में रूमाल छोड़ दिया. इसकी वजह से महिला के पेट में दर्द शुरू हो गया. मेडिकल कॉलेज में मांगे पैसे इसके बाद जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने महिला को सहारनपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया. यहां से महिला के परिजन उसको हरियाणा के बराड़ा मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे. बराड़ा मेडिकल कॉलेज में महिला के इलाज के लिए पैसों की डिमांड की गई. आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से महिला के परिजन उसको लेकर दोबारा सहारनपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे.पीड़ित परिजनों का आरोप है कि सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में भी इलाज के लिए पैसों की डिमांड की गई. जिसके बाद सहारनपुर के एक

प्राइवेट हॉस्पिटल में महिला को इलाज के लिए भर्ती कराया गया. यहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन के बाद महिला के पेट से कपड़े को बाहर निकाला. फिलहाल महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई है. डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से महिला जिंदगी मौत की जंग लड़ रही है. महिला के बेहतर इलाज में परिवार की आर्थिक स्थिति रोड़ा बन रही है. पीड़ित के परिजन पैसों की कमी की वजह से प्राइवेट हॉस्पिटल की फीस भरने में असमर्थ हैं. फीस न देने की वजह से हॉस्पिटल वाले रेफर नहीं कर रहे हैं. CMP ने दिया कार्रवाई का आश्वासन सहारनपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण ने बताया कि ये मामला संज्ञान में आया है, जिसमें पता चला है कि 25 नवंबर को सहारनपुर के महिला चिकित्सालय में एक महिला ने मेजर ऑपरेशन से लड़की को जन्म दिया और उसके पेट में कपड़े का कुछ पार्ट रह गया. इस पूरे मामले में जांच की जा रही है, जिस भी डॉक्टर की लापरवाही सामने आएगी उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए अमरोहा की शिक्षिका प्रीति चौधरी का चयन

अमरोहा, उत्तर प्रदेश राज्य अध्यापक प्रीति राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर मैं शिक्षिका के पद पर तैनात है। जो एक अच्छी कवित्री भी है इन्होंने अपने परिश्रम और नवाचार के बूते यह मुकाम हासिल किया है। पुरस्कार के लिए चयनित होने के बाद प्रीति चौधरी को शुभकामनाएं देने के लिए ताता लगा हुआ है। साथी कॉलेज में स्टाफ और छात्र छात्राओं द्वारा फूलमाला पहनकर और मिठाई खिलाकर प्रीति चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। उनकी शिक्षा की बात की जाए तो प्रीति चौधरी ने गणित विषय में एमएससी, एमएड, शिक्षा हासिल की तथा प्रीति चौधरी ने वर्ष 2011 में पीलीभीत में अध्यापिका के पद पर प्रथम बार पोस्टिंग पा. ई ।जिसके 1 साल बाद यानी वर्ष 2012 में जनपद अमरोहा के हसनपुर तहसील में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बतौर सहायक अध्यापिका के पद पर तैनाती हो गई। प्रीति चौधरी लगन से छात्र छात्राओं को शिक्षा दे रही और अपने शिक्षण कार्य को गति दे रही उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षक पुरस्कार में प्रदेश से चुने गए कुल 10 चयनित अध्यापकों में मुरादाबाद मंडल की मात्र अकेली अध्यापिका प्रीति चौधरी के चौन से जनपद ही नहीं बल्कि पूरे मुरादाबाद मंडल में खुशी की लहर है। प्रीति चौधरी शिक्षण कार्य के साथ–साथ अपनी रुचि साहित्य क्षेत्र में भी रखती है। वह एक कवित्री के रूप में भी प्रसिद्ध है जो पिछले 2 साल से सा. हित्यिक क्षेत्र से जुड़कर काफी गजलों तथा दोहे लिख चुकी है ।उनकी काव्य रचनाएं विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं। आपने मुरादाबाद मंडल गजेटियर लेखन पार्ट 2 में लेखन में सहभागिता की। स्तरीय टीएलएम प्रदर्शनी में जनपद का परचम लहराते हुए पुरस्कार के रूप में टैबलेट प्राप्त किया ।जब उनसे कहा गया कि आप युवा पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहेंगी तो उनका कहना है कि हमें जीवन में अपना समय निर्धारित करना चाहिए और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए हमें हमेशा सकारात्मक तथा ऊर्जावान रहना चाहिए

(संववादाता आसिफ सिद्दीकी)

बिना हिजाब कान्सर्ट करना पड़ा महंगा, ईरानी सिंगर गिरफ्तार

27 साल की ईरानी गायिका परास्तू अहमदी को यूट्यूब पर एक वर्चुअल कॉन्सर्ट को लेकर गिरफ्तार किया गया है. दरअसल, ईरानी सिंगर परास्तू पर बिना हिजाब पहने वर्चुअल कॉन्सर्ट करने के लिए गिरफ्तार किया गया है.

ईरानी सिंगर परास्तू अहमदी के वकील मिलाद पनाहीपोर ने बताया कि परास्तू को शनिवार (14 दिसंबर) को ईरान की राजधानी तेहरान से करीब 280किलो मीटर दूर माजंदरान प्रांत के सारी शहर में हुई.कॉन्सर्ट के ऑनलाइन पोस्टिंग के बाद दर्ज हुआ केस ईरानी सिंगर परास्तू अहमदी ने 11 दिसंबर, 2024 (बुधवार) को अपने वर्चुअल कॉन्सर्ट को ऑनलाइन पोस्टर किया था. जिसमें वह चार पुरुष म्यूजिशियन्स के साथ बिना हिजाब के एक स्लीवलेस ब्लैक ड्रेस में दिखाई दे रही थीं. जिसके बाद गुरुवार (12 दि. संबर) को ईरानी सिंगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया.अपने वीडियो के साथ पोस्ट में अरास्तू ने लिखाईरानी सिंगर परास्तू अहमदी ने 11 दिसंबर को यूट्यूब पर अपने वर्चुअल कॉन्सर्ट का वीडियो शेयर किया. वीडिया के साथ एक पोस्ट में परास्तू ने लिखा, मैं परास्तू हूं, एक लड़की जो उन लोगों के लिए गाना चाहती है जिन्हें मैं प्यार करती हूं. यह एक अधिकार है जिसे मैं नजरअंदाज नहीं कर सकती हूं अपनी जमीन के लिए गाना जिसे मैं बेहद प्यार करती हूं." उन्होंने आगे लिखा, "यहां हमारे प्यारे ईरान में जहां इतिहास और हमारे मिथक एक साथ जुड़े हैं, वहां इस वर्चुअल कॉन्सर्ट में मेरी आवाज को सुने और अपनी सुंदर मातृभूमि की कल्पना करें.

ईरानी सिंगर के इन वर्चुअल कॉन्सर्ट को अब तक 1.6 मिलियन से भी ज्यादा व्यूज मिले चुके हैं.परास्तू के वकील ने यह भी पुष्टि की कि कॉन्सर्ट के दौरान मौजूद दो पुरुष म्यूजिशियन सोहैल फाघीह नसिरी और एहसान बीराघदार को भी उसी दिन तेहरान में गिरफ्तार किया गया था.ईरान में हिजाब को लेकर सख्त कानून ईरान में हिजाब को लेकर काफी सख्त कानून बनाए गए हैं. इसे 1979 के इस्लामी क्रांति के बाद कानून के तहत देश में अनिवार्य किया गया था. जहां एक ओर कई महिलाएं हिजाब को धार्मिक विश्वास के प्रतीक के रूप में पहनती हैं, वहीं अन्य इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर एक प्रतिबंध के रूप में देखतीं हैं.

गरीबी में आटा गीला! भीख मांगने वर्ल्ड बैंक पहुंचा था पाकिस्तान, लग गया बड़ा झटका

'गरीबी में आटा गीला!', इस कहावत को पूरी तरह से चरितार्थ करते हुए वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को एक करारा झटका दिया है. वर्ल्ड बैंक ने पाकिस्तान को देने जाने वाले 500 मिलियन डॉलर से अधिक के बजट सहायता लोन को रद्द कर दिया है. बैंक ने इसके पीछे का कारण पाकिस्तान तय समय सीमा के अंदर कई महत्वपूर्ण शर्तों को पूरा करने में विफलता को बताया है.पाकिस्तान की एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, विश्व बैंक के जरूरी शर्तों में चीन और पाकिस्तान के ब्म्ब् के संबंध में क्रय शक्ति समझौते को रिवाइज करना शामिल था.वाशिंगटन में स्थित इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने यह भी घोषणा कर दी कि अब चालू वित्तीय वर्ष के दौरान पाकिस्तान को कोई नया बजट सहायता लोन स्वीकृत नहीं किया जाएगा.वर्ल्ड बैंक के प्रवक्ता ने क्या कहा?वर्ल्ड बैंक के प्रवक्ता ने कहा, "चालू वित्त वर्ष के लिए कोई बजट सहायता की योजना नहीं है, जो जून 2025 में समाप्त होगा." इस वित्तीय वर्ष के लिए, IMF ने 2.5 बिलियन डॉलर के बाहरी वित्तपोषण अंतर की पहचान की है जिसे नए ऋणों के माध्यम से संबोधित करने की आवश्यकता है. उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था है. विश्व बैंक दुनिया के 189 सदस्य देशों को एक साथ लाता है, जो संस्था के वित्तपोषण के तरीके और धन के आवंटन के लिए जिम्मेदार हैं.क्या है पाकिस्तान का कार्यक्रम? पाकिस्तान के सरकारी सूत्रों ने खुलासा किया है कि विश्व बैंक ने किफायती और स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान को दिए जाने वाले 500 से 600 मिलियन डॉलर के ऋण को रद्द कर दिया है। न्यूज एजेंसी ।छप् के हवाले से बताया गया है कि शुरुआत में 500 मिलियन डॉलर निर्धारित की गई ऋण राशि को बाद में बढ़ाकर 600 मिलियन डॉलर कर दिया गया, ताकि पाकिस्तान के बाहर से लेने वाले कर्ज के अंतर को दूर किया जा सके कार्यक्रम को विश्व बैंक ने जून 2021 में मंजूरी दी थी, जिसमें 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त पहले ही जारी की जा चुकी है. पाकिस्तान ने इन शर्तों को पूरा नहीं किया पाकिस्तान के च्बम कार्यक्रम की दूसरी किस्त कई शर्तों को पूरा करने पर निर्भर थी, जैसे कि सभी स्वतंत्र बिजली उत्पादकोंके साथ बातचीत करना, खासकर के तहत बनाए गए चीनी बिजली संयंत्रों के साथ. जिसमें पाया गया कि CPEC से संबंधित बिजली संयंत्रों के साथ समझौतों पर फिर से बा. तचीत करने में कोई प्रगति नहीं हुई है.

बांग्लादेश में अचानक 3500 लोग हुए गायब

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से गठित जांच आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा है कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की संलिप्तता का पता चला है. लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3,500 से अधिक है. कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के मुख्य सलाहकार (सीए) के कार्यालय की प्रेस शाखा ने शनिवार (14 दिसंबर 2024) रात एक बयान में कहा, ''आयोग को इस बात के सबूत मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया. ''बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट इसमें कहा गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) तारिक अहमद सिद्दीकी, राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र के पूर्व महानिदेशक और बर्खास्त मेजर जनरल जियाउल अहसन, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोनिरुल इस्लाम और मोहम्मद हारुन–ओर–रशीद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इन घटनाओं में शामिल पाए गए.सेना और पुलिस के ये सभी पूर्व अधिकारी फरार हैं. ऐसा माना जा रहा है कि वे छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद पांच अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद देश से बाहर चले गए थे. लोगों को गायब किए जाने की घटनाओं की जांच करने वाले पांच सदस्यीय आयोग ने शनिवार देर रात मुख्य सलाहकार को उनके आधिकारिक आवास यमुना पर सत्य का खुलासा शीर्षक से अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद यह बयान जारी किया गया. रिपोर्ट में हुआ ये बड़ा खुलासा बयान के अनुसार, आयोग के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस मैनुल इस्लाम चौधरी ने यूनुस को बताया कि जांच के दौरान उन्हें एक व्यवस्थित तरीके की जानकारी मिली, जिसके कारण इन घटनाओं का पता नहीं चल सका. उन्होंने कहा, ''लोगों को गायब करने या न्यायेतर हत्या करने वाले व्यक्तियों को भी पीड़ितों की जानकारी नहीं होती थी.'' रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस की विशिष्ट अपराध–विरोधी रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसी ने लोगों को जबरन ले जाने, उन्हें प्रताड़ित करने और हिरासत में रखने की घटनाओं को अंजाम देने के लिए एक–दूसरे के साथ मिलकर काम किया. आरएबी में सेना, नौसेना, वायु सेना और पुलिस के लोग शामिल होते हैं. आयोग ने आतंकवाद रोधी अधिनियम, 2009 को खत्म करने या उसमें व्यापक संशोधन करने के साथ–साथ आरएबी को खत्म करने का प्रस्ताव भी रखा. मानवाधिकार कार्यकर्ता और आयोग के सदस्य सज्जाद हुसैन ने कहा कि उन्होंने इस तरह की घटनाओं के कारण लोगों के लापता होने की 1,676 शिकायतें दर्ज की हैं और अब तक उनमें से 758 मामलों की जांच की है. इनमें से 200 लोग या 27 फीसदी पीड़ित कभी वापस नहीं लौटे और जो वापस लौटे, उनमें से अधिकतर को रिकॉर्ड में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है. आठ गुप्त हिरासत केंद्र मिले आयोग में अध्यक्ष के अलावा जस्टिस फरीद अहमद शिबली, मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान, निजी बीआरएसी विश्वविद्यालय की शिक्षिका नबीला इदरीस और मानवाधिकार कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन भी आयोग में शामिल हैं. इससे पहले, आयोग ने एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि उसे ढाका और उसके बाहरी इलाकों में आठ गुप्त हिरासत केंद्र मिले हैं.आयोग के अध्यक्ष ने शनिवार को यूनुस को बताया कि वह मार्च में एक और अंतरिम रिपोर्ट पेश करेंगे और सभी आरोपों की जांच पूरी करने के लिए उन्हें कम से कम एक और साल की आवश्यकता होगी. टीवी चौनलों और सोशल मीडिया पर उन पीड़ितों के साक्षात्कार प्रसारित किए गए जिन्हें कथित रूप से गायब किया गया था. इन पीड़ितों में हसीना के शासन का सक्रिय रूप से विरोध करने वाले विपक्ष के कार्यकर्ता और पूर्व सैन्य अधिकारी शामिल हैं.

संभल में मानवता शर्मसार चलती रोडवेज बस की खिड़की से कपड़े में बांधकर फेंका नवजात

धनारी क्षेत्र के अंतर्गत आगरा मुरादाबाद नेशनल हाईवे किनारे एक नवजात का शव पड़ा मिला, जोकि लड़का था। जिसे रोडवेज में सवार किसी यात्री के द्वारा फेंका गया, ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को बुलाया।धनारी थाना क्षेत्र के गांव भागनगर पर रविवार की सुबह को एक रोडवेज हाईवे से गुजर रही थी। इसी दौरान हाइवे किनारे कुछ लोग खड़े हुए थे। जिन्होंने देखा कि रोडवेज की खिड़की से किसी के द्वारा कपड़े में कोई वस्तु किनारे में फेंकी गई है। यहां सहकारी समिति के गोदाम के निकट जब ग्रामीणों ने पास जाकर देखा तो उसमें नवजात मिला जोकि लड़का था, जिसके हाथ पर पट्टी और कैनुला लगा हुआ था। उसके सीने पर भी पट्टी लगी हुई थी। ऐसा लग रहा है कि जिसका भी बच्चा होगा, उसने इसका उपचार कराया होगा। उसकी या तो मृत्यु पहले ही हो गई होगी या फेंकने के बाद हुई होगी, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही हो सकेगी।नवजात लड़का होने की वजह से भी लोग सवाल खड़े कर रहे हैं कि ज्यादातर लोग लड़की होने पर भ्रूण हत्या या नवजात की हत्या कर देते हैं लेकिन ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि वह किसी बड़ी बीमारी से ग्रसित रहा होगा। जिसका उपचार करा पाना शायद संभव न हुआ हो। पुलिस को उस रोडवेज की भी तलाश है, जिससे नवजात को फेंका गया। हालांकि उसमें किसी भी ऐसे यात्री की पहचान करना बहुत मुश्किल लग रहा है। जिसके द्वारा यह शर्मनाक कृत्य किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा धनारी के प्रभारी निरीक्षक बाबूराम गौतम ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को वहां से उठाकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उसकी मृत्यु का कारण जानना जरूरी है, हालांकि ऐसा लग रहा था कि उसका कहीं उपचार चल रहा था और रास्ते में लेकर जा रहे होंगे, लेकिन बस की खिड़की से फेंकना यह शर्मसार करने वाला कृत्य है।

कांग्रेस ने संविधान को कमजोर करने की लगातार कोशिश की,केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ब्वदहतमे पर लगाया आरोप

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से की गई हालिया टिप्पणियों की तर्ज पर कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर अपने हितों के अनुरूप संविधान के प्रावधानों को श्कम. जोरश करने का आरोप लगाया।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस परिवार के अनुरूप और सुरक्षा के लिए संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों में संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा, श्कांग्रेस ने लगातार संविधान का अपमान किया है। उसने इसके महत्व को कम करने का प्रयास किया है। कांग्रेस का इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा है।किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी के भाषण का किया जिक्र केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, पीएम मोदी ने बहुत ही स्पष्टता से बताया था कि पिछले 75 सालों में और कांग्रेस शासन के करीब छह दशकों के दौरान, कैसे संविधान के प्रावधानों को कमजोर किया गया, संशोधित किया गया और कांग्रेस के हितों के अनुरूप बदलाव किया गया, मूल रूप से जिस परिवार को पहले परिवार के रूप में जाना जाता है कांग्रेस पार्टी के परिवार के अनुरूप और सुरक्षा के लिए संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों में संशोधन किया गया था और यह कुछ ऐसा है जिस पर पीएम ने अपनी राय नहीं दी है।इससे पहले, पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर संविधान का लगातार अनादर करने का आरोप लगाया और भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए ग्यारह प्रतिज्ञाएं प्रस्तुत कीं, जिसमें कहा गया कि सरकार और लोगों को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और देश की राजनीति को परिवारवादसे मुक्त होना चाहिए।पीएम मोदी ने नेहरू–गांधी परिवार का किया जिक्र संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर लो. कसभा में दो दिवसीय चर्चा का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने नेहरू–गांधी परिवार का बार–बार जिक्र किया और इसके नेताओं की हर पीढ़ी पर संविधान का अनादर करने का आरोप लगाया।वहीं इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भा. जपा) के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी दृष्टि संविधान को नष्ट करने की है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि देश के विकास पर केंद्रित है।बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कसा तंज बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, श्पीएम मोदी ने उजागर किया कि कैसे नेहरू–गांधी–वाड्रा परिवार ने भारत के संविधान को नष्ट कर दिया। राहुल गांधी वीर सावरकर का अपमान करते हैं और उनके पास वीर सावरकर के बराबर देशभक्ति का एक नाखून भी नहीं है।

जयशंकर ने पंडित नेहरू की विदेश नीति पर उठाए सवाल

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री की नीतियों पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि 'नेहरू विकास मॉडल' से अनिवार्य रूप से 'नेहरू विदेश नीति' पैदा होती है और हम विदेशों में इसे सुधारना चाहते हैं, ठीक उसी तरह जैसे घरेलू स्तर पर इस मॉडल के नतीजों को सुधारने की कोशिश की जा रही है। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया की पुस्तक द नेहरू डेवलपमेंट मॉडलश के विमोचन के अवसर पर जयशंकर ने संबोधन के दौरान ये बातें कही हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मॉडल और इसके साथ जुड़ी कथा हमारी राजनीति, नौकरशाही, योजना प्रणाली, न्यायपालिका, मीडिया सहित सार्वजनिक स्थान और सबसे बढ़कर शिक्षण में प्रभावित है।जयशंकर ने रूस और चीन पर दिया बयान जयशंकर ने ये भी कहा कि रूस और चीन दोनों आज उस काल की आर्थिक धारणाओं को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं, जिसे प्रचारित करने के लिए उन्होंने कहीं अधिक काम किया। फिर भी, ये मान्यताएं आज भी हमारे देश के प्रभावशाली वर्गों में जीवित दिखाई देती हैं।उन्होंने कहा, शनिश्चित रूप से 2014 के बाद, पाठ्यक्रम में सुधार की दिशा में जोरदार प्रयास किया गया है, लेकिन लेखक अच्छे कारणों से दावा करते हैं कि यह अभी भी एक कठिन काम बना हुआ है। हम विदेश में ठीक करेंगे नेहरू मॉडल अपने संबोधन में, मंत्री ने आगे कहा, नेहरू विकास मॉडल ने अनिवार्य रूप से एक नेहरू विदेश नीति का निर्माण किया।हम विदेश में इसे ठीक करना चाहते हैं, जैसे हम घर पर मॉडल के परिणामों को सुधारने का प्रयास करते हैं।श उन्होंने कहा कि एक विचार का विरोध दूसरे से जुड़ाव पर आधारित होता है, और इन दोनों को एक साथ देखा जाना चाहिए।विदेश मंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत की आजादी पर एक अमेरिकी नीति निर्धारक की प्रसिद्ध पंक्ति को उद्धृत करते हुए की। इस मौके पर जयशंकर ने अमेरिकी नीति निर्माता जॉन फोस्टर डलेस का 1947 के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वे समय की सरकार को वह अधिक गलत नहीं कर सकते थे, लेकिन यह एक दावा था जिसे दशकों तक अमेरिकी नीति निर्माताओं ने सही माना। उन्होंने कहा कि मैंने कई बार खुद से पूछा कि क्या डलेस पूरी तरह से गलत थे। पनगढ़िया की किताब में उन्हें इसका उत्तर मिला।

लंदन में भारतीय महिला का शव मिलने से मची सनसनी

लंदन के कोरबी में एक 24 साल की भारतीय मूल की महिला हर्षिता ब्रेला का शव एक कार की डिक्की में पाया गया था. 14 नवंबर में कार की डिक्की में मृत बरामद होने के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इस बीच मृत महिला की मां का बड़ा बयान सामने आया है.बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में हर्षिता ब्रेला की मां सुदेश कुमारी ने बताया कि मौत के कुछ हफ्ते पहले उनकी बेटी से उनकी बात हुई थी. बेटी ने मां को बताया कि उसका पति उसकी जिंदगी बर्बाद कर रहा था. सुदेश ने बताया कि बेटी ने मुझसे कहा था, "मैं उसके पास वापस नहीं जाउंगी, वो मुझे मार डालेगा." उन्होंने कहा, "मेरी बेटी बहुत ही शांत और मासूम थी. वो किसी से झगड़ा नहीं करती थी."हर्षिता की मौत के बाद से कष्ट झेल रहा है– सतबीर ब्रेलाहर्षिता के पिता सतबीर ब्रेला ने कहा कि उनकी परिवार इस दुखद घटना के बाद से कष्ट झेल रहा है. उन्होंने अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग की है. उन्होंने कहा, ष्मैं हमेशा अपनी बेटी से कहता था कि जब मैं मरूं तो तुम मेरा अंतिम संस्कार करना. लेकिन मुझे अंदाजा नहीं था कि मुझे अपनी बेटी का अंतिम संस्कार करना पड़ेगा.लांबा अभी भारत में है पर दिल्ली पुलिस बात नहीं मान रही" हर्षिता के परिवार का मानना है कि उनकी बेटी का पति पंकज लांबा अभी भारत में ही है. लेकिन उनका कहना है कि दिल्ली पुलिस उनकी बात नहीं सुन रही है. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने बीबीसी को बताया कि यूके के अधिकारियों ने अभी तक उनसे इस मामले में हस्तक्षेप करने की कोई मांग नहीं की है.हर्षिता के परिवार ने यह भी बताया कि हर्षिता ने अपनी मौत से कुछ हफ्ते पहले उसका मिसकैरेज हुआ था. उन्होंने दावा करते हुए कहा कि उन्हें बताया गया था कि पंकज लांबा ने हर्षिता को मारा था. लेकिन यह पूरी तरह से तब स्पष्ट हुई जब हर्षिता ने 29 अगस्त को अपने पिता को फोन करके रोते हुए कहा, ष्मेरे पति ने मुझे बहुत बुरा मारा. उसने मुझे सड़क पर भी मारा. हर्षिता के पिता ने कहा, मेरी बेटी बहुत जोर से रो रही थी.

कंपकंपाने लगीं रातें, ठंड से बढ़ा मानसिक तनाव, महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित

रेलवे स्टेशन पर ठंड में शॉल ओढ़कर बैठी महिलाएं ट्रेन के इंतजार में

आज पूरे दिन ठंडी हवाओं से लोग परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम 4 डिग्री दर्ज हुआ। बीते पांच दिनों से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।सर्दी से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कामकाज पर भी इसका असर दिख रहा है। लोग शाम से ही अलाव तापते दिख रहे हैं। एएमयू के भूगोल विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड बढ़ेगी। इधर, फसलों पर मौसम का असर हो रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार किसान आलू, गेहूं, सब्जी और फलों के लिए विभाग से जानकारी कर लें। फसलों को सिंचाई की जरूरत हो सकती है।अलनीना के असर से इस बार ठंड दिसंबर के पहले पखवाड़े में ही शुरू हो गई है। इन दिनों हिमालय, हिमाचल और उत्तराखंड में जबरदस्त बर्फबारी हो रही है। इसका असर दिख रहा है। शीतलहर का प्रकोप शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विभाग भी शीतलहर की चेतावनी दे रहा है। माना जा रहा है कि इस बार सर्दी ज्यादा दिनों तक रहेगी।–अहमद मुज्तबा सिद्दीकी, भूगोल विभाग एएमयू।वर्तमान में किसानों को फसलों की जरूरत का ध्यान रखना चाहिए। अगर सिंचाई की जरूरत है तो पानी दें। फसल के आ. सपास आग जलाएं धुआं दें, लेकिन इसके लिए पहले फसल के अनुसार विभाग से जानकारी कर लें।–यशराज सिंह, उप कृषि निदेशक।ठंड से बढ़ा मानसिक तनाव, महिलाएं सर्वाधिक प्रभावित शीतलहर और ठंड से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। गलन भरी सर्दी और कम धूप निकलने से लोग डिप्रेशन की चपेट में आ रहे हैं। पुराने मरीजों की दवा की खुराक में इजाफा हो रहा है। सबसे ज्यादा महिलाएं इससे प्रभावित हैं। उनमें तनाव की स्थिति बढ़ रही है। ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या में करीब 30 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।सर्दी का असर लोगों के दिल और दिमाग पर पड़ा है। ठंड से दिल और दिमाग बेचौन हैं। लोग मानसिकबीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार ओपीडी में सामान्य दिनों के मुकाबले मानसिक तनाव ग्रस्त मरीज 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। सर्दी में सूर्य की रोशनी कम मिलती है। ऐसे में मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर घटने लगते हैं। इसे सीजनल एफेक्टिव डिसऑर्डर कहते हैं। वर्तमान में पुराने मरीजों या पहले से ठीक मरीज भी बीमार हो रहे हैं। इसके अलावा नए मरीज भी आ रहे हैं। जिन मरीजों को शुगर, बीपी,

सर्वाइकल आदि की समस्या है। उन्हें भी परेशानी हो रही है। क्योंकि इनकी वजह से भी शरीर में चिड़चिड़ापन पैदा होता है।ठंड में मानसिक तनाव बढ़ता है। खासकर महिलाएं इसकी सबसे ज्यादा शिकार हो रही हैं। महिलाएं ज्यादातर समय घर के अंदर रहती हैं। इसलिए सूर्य की किरणों से दूरी बनी रहती है। तनाव के मरीज में सर्दियों में उदासी आ जाती है। घर में शारीरिक व मानसिक गतिविधियों में हिस्सा लें। कोई परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें।–डॉ. अंतरा माथुर, मनोरोग चिकित्स. क।महिलाओं में मानसिक तनाव अधिक मानसिक तनाव की 75 फीसदी शिकार महिलाएं हैं। चिकित्सकों ने बताया कि घरेलू कामकाज में उन्हें पानी के संपर्क में अधिक रहना होता है। इससे उन्हें अधिक समय तक सर्दी झेलनी पड़ती है। बाकी मरीज दूसरे मानसिक रोगों से ग्रस्त हैं। महिलाओं का ज्यादा समय घरों के अंदर बीतता है। इसलिए सर्दियों में धूप भी ठीक से नहीं ले पाती।ये करें उपाय–घर के अंदर शारीरिक व मान. सिक गतिविधि करें।एक साथ ज्यादा खाना न खाएं।हरी पत्तेदार सब्जियां व पौष्टिक आहार लें।दवा नियमित रूप से लें, लक्षण न रहने पर भी बिना सलाह दवा न रोकें।तनाव मुक्त वातावरण में रहें।मरीज के सम्मान और जरूरतों का ध्यान रखें।ट्रेनों की लेटलतीफी जारी ठंड और धुंध का असर ट्रेनों पर भी पड़ रहा है। शनिवार को दिल्ली और लखनऊ जाने वाली गोमती एक्सप्रेस एक–एक घंटे, महाबोधि एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस, टीएडी और बरेली पैसेंजर भी आधा घंटे की देरी से चलीं। शाम को कानपुर की ओर से अधिकांश ट्रेनें एक घंटे की देरी से पहुंची। इससे मुसाफिरों को परेशानी हुई।ठंड से बसों में कम हो गए यात्री ठंड और शीतलहर के कारण रात के समय मसूदाबाद और सारसौल बस स्टैंड से बसें देरी से चल रहीं है। बस चालक और परिचालक 20 सवारियों के आने के बाद ही चलते हैं क्योंकि कम मुसाफिर होने पर लोड फैक्टर कम हो जाता है। जिसका उन्हें जवाब देना पड़ता है। ऐसे में दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हरिद्वार, जयपुर, बरेली, आगरा और मथुरा जाने वाली बसें देरी से चल रहीं हैं।एएमयू ने छोड़ा मौसम का 11वां गुब्बाराएएमयू के भूगोल विभाग ने मौसम की जानकारी देने वाले 11वें गुब्बारे को आसमान में छोड़ा। यह 24.2 किमी की ऊंचाई तक गया। इस गुब्बारे ने वातावरण के तापमान, आद्रर्ता और अन्य जानकारी दी है। यह गुब्बारा अलीगढ़ से उड़कर शाहजहांपुर में गिर गया। अभी इससे मिले डाटा का अध्ययन किया जा रहा है। इस दौरान विभाग प्रो. अतीक अहमद और अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे।

एएमयू को लगा बड़ा झटका, ऊर्जा भंडार न्यूट्रिनो . के रहस्य को खोलने वाला प्रोजेक्ट हुआ बंद

ऊर्जा भंडार न्यूट्रिनो के रहस्य को समझने वाला भारत का एक मात्र प्रा. `जेक्ट बंद हो गया है. भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ एटामिक एनर्जी ने इसको हाल ही में बंद करा दिया है. इससे एएमयू के फिजिक्स डिपार्टमेंट को बड़ा झटका लगा है, जो कई वर्ष से इस पर काम कर रहा है.अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के फिजिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर व प्रोजेक्ट को लीड करने वाले सज्जाद अतहर ने बताया कि वर्ष 2000 में इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी. 2001 में सबसे पहले कर्नाटक में इसके लिए लैब बनाई जानी थी. लेकिन यह स्थान बदल दिया गया. इसके बाद तमिलनाडु के थेनी में इसकी लैब बनाया जाना प्रस्तावित हुआ था. वर्ष 2002 में भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ एटामिक एनर्जी ने इसकी शुरुआत कराई.2015 से 2016 के बीच लैब की स्थापनाप्रोफेसर सज्जाद अतहर ने बताया कि इसके बाद इस पर काम होता रहा. वर्ष 2015 से 2016 के बीच लैब की स्थापना का प्रोजेक्ट आगे बढ़ा और वर्ष 2024 में बंद हो गया. भारत में ये प्रा. `जेक्ट भले ही बंद हो गया. लेकिन चीन, जापान, अमेरिका, यूरोप, कनाडा और कोरिया इस पर काम कर रहे हैं. चीन में वर्ष 2009 से 2012 के बीच डाया बे नाम का प्रोजेक्ट पूरा किया है. इसमें न्यूट्रिनो के रूप बदलने पर काम हुआ है.2024 में बंदो हो गयाप्रोफेसर सज्जाद अतहर ने कहा कि तमिलनाडु के थेनी जिले में इसके लिए एक लैब बनाई जानी थी. इसे न्यूट्रिनो वेधशाला नाम दिया गया था. यह जगह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आईएनओ (अक्षांश और देशांतर) के अनुरूप है. यहां एक पहाड़ है, जिसकी ऊंचाई लगभग 1,200 मीटर (लगभग 3,900 फीट) है.इसकी गहरी गुफा में वायुमंडलीय न्यूट्रिनो का अध्ययन किया जाना था. इसके लिए एक किमी लंबी टनल बनाया जाना प्रस्तावित है. लेकिन किसी कारणवश भारत सरकार ने इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया. मेरा मानना है कि अगर यह प्रोजेक्ट चलता और अपनी मंजिल तक पहुंचता तो इससे बहुत सारी उपलब्धियां हासिल होती.

17 दिसम्बर को प्रेसिडेंट सेक्रेटरी मीट संगिनी का आयोजन होगा

अत्यन्त ही हर्ष का विषय है कि इन. रव्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की कॉन्फ्रेंस 2024–25 का आयोजन 17–18 दिसम्बर को रॉयल रेजिडेंसी में किया जा रहा है और इस में इनरव्हील अलीगढ़ सिटी मुख्य आयोजक की भूमिका निभा रहा है। इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की चेयरमैन आदरणीया नीलू सिंह ढाकरे जी के निर्देशन में तैयारी पूरे हर्षोल्लास से की जा रही है। इसमें लगभग 115 क्लब प्रतिभाग कर रहे हैं जिसमें अलीगढ़ के अतिरिक्त आगरा , कानपुर, झांसी, उन्नाव, उरई, बरेली, काशीपुर, कासगंज, हल्द्वानी, रामनगर, शाहजहाँपुर आदि अनेको शहरों से अतिथियों के आने की सम्भावना है इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसोसियेशन प्रेसिडेंट आदरणीया श्री मती सुनीता जैन जी अपनी गरि. रमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करेंगी 17 दिसम्बर को प्रे. सिडेंट सेक्रेटरी मीट संगिनी का आयोजन होगा जिसमें कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे प्रत्येक क्लब के प्रेसिडेंट सेकेट्री की एकता को दर्शाती हुई एक प्रतियोगिता भी रखी गई है। उस दिन डिस्ट्रिक्ट की कार्यकारिणी सभा भी आयोजित की जायेगी। 18 दि. सम्बर को अन्य कार्यक्रम के साथ नये सत्र के लिये एडिटर की भी चुनाव प्रक्रिया विधिवत सम्पन्न कराई जायेगी इसने अतिरिक्त दोनों दिन के लिये एक इनरव्हील बाजार का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें कपड़े, ज्वैलरी, मसाले, चादर, साड़ी, सूट आदि अनेकों चीजों के स्टॉल लगाने के लिये कोलकाता जबल. पुर बरेली आसाम आदि जगहों से लोग आ रहे हैं जिससे आगंतुक खरीदारी करके लुत्फ उठा सके।कार्यक्रम में प्रत्येक अतिथि के स्वागत के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत करने का तरीका भी भव्य होगा । कुछ प्रतियोगिताएं भी रखी गई है विजयी सदस्यों को पुरस्कृत किया जायेगा। साथ ही सदस्याओं के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारी अपने अंतिम चरण में है। इसमें इनरव्हील मैत्री और इनरव्हील पहल का भी सहयोग रहेगा ।

चार करोड़ की लागत से बनेगा हेल्थ और डायलिसिस सेंटर

दीन दयाल अस्पताल में डायलिसिस कराने आने वाले मरीजों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। मरीजों को राहत देने के लिए 40 बेड का नया डायलिसिस व हेल्थ सेंटर स्थापित कराया जाएगा। नगर निगम ने पूरी रूप रेखा तैयार कर ली है। इसका प्रस्ताव तैयार हो चुका है। जल्द ही निर्माण शुरू होगा। नगर निगम शहर में एक हेल्थ एवं डायलिसिस सेंटर का निर्माण कराने जा रहा है। इसको लेकर पूरा खाका तैयार कर लिया है। चार करोड़ से इस सेंटर का निर्माण होगा। सेंटर पर मरीजों को न सिर्फ समुचित उपचार मिलेगा बल्कि किडनी रोगियों की डायलिसिस भी होगी। इसके लिए नगर निगम ने 40 बेड का डायलिसिस सेंटर स्थापित करन का निर्णय लिया है। जिसमें से 10 बेड पर हर दिन डायलिसिस होगी। मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि 40 बेड का डायलिसिस और हेल्थ सेंटर का निर्माण कराया जाएगा। इसका प्रस्ताव तैयार है। आर्किटेक्ट से ले आउट तैयार कराना है। इस पर चार करोड़ खर्च आएगा।

चार करोड़ की लागत से बनेगा हेल्थ और डायलिसिस सेंटर

दीन दयाल अस्पताल में डायलिसिस कराने आने वाले मरीजों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। मरीजों को राहत देने के लिए 40 बेड का नया डायलिसिस व हेल्थ सेंटर स्थापित कराया जाएगा। नगर निगम ने पूरी रूप रेखा तैयार कर ली है। इसका प्रस्ताव तैयार हो चुका है। जल्द ही निर्माण शुरू होगा। नगर निगम शहर में एक हेल्थ एवं डायलिसिस सेंटर का निर्माण कराने जा रहा है। इसको लेकर पूरा खाका तैयार कर लिया है। चार करोड़ से इस सेंटर का निर्माण होगा। सेंटर पर मरीजों को न सिर्फ समुचित उपचार मिलेगा बल्कि किडनी रोगियों की डायलिसिस भी होगी। इसके लिए नगर निगम ने 40 बेड का डायलिसिस सेंटर स्थापित करन का निर्णय लिया है। जिसमें से 10 बेड पर हर दिन डायलिसिस होगी। मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि 40 बेड का डायलिसिस और हेल्थ सेंटर का निर्माण कराया जाएगा। इसका प्रस्ताव तैयार है। आर्किटेक्ट से ले आउट तैयार कराना है। इस पर चार करोड़ खर्च आएगा।

अलीगढ़ के गोंडा में कार अनियंत्रित होकर नहर में गिरी, आगरा में तैनात पुलिसकर्मी की मौत, ऐसे निकाला कार से बाहर

आगरा में तैनात पुलिसकर्मी अपने दोस्त के साथ कार में सवार था। मोड़ पर कार अनियंत्रित हो गई। कार नहर में जा गिरी। हादसे में कार सवार पुलिसकर्मी की मौत हो गई और साथी गंभीर घायल हो गया।कार मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। हादसे में कार सवार पुलिसकर्मी की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्गेश पुत्र विजय सिंह फौजदार गांव चूहरपुर किनमासा के रहने वाले थे। वह आगरा में पुलिस में तैनात थे। 14 दिसंबर को वह अवकाश पर घर आए थे। शाम को वह गांव के अपने मित्र लोकेंद्र पुत्र विशम्बर सिंह के साथ नयाबास नहर पुल स्थित एक होटल पर खाना खाने गए थे। देर रात करीब साढ़े दस बजे दोनों लोग वापस घर जा रहे थे। हाथरस ब्रांच के सायफन नहर पुल पर पटरी के मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से कार का शीशा तोड़ कर दोनों को बाहर निकाला गया। उपचार के लिए दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिसकर्मी दुर्गेश की उपचार को ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। वहीं साथी लोकेंद्र को गंभीर हालत में अलीगढ़ ले जाया गया। मृतक दुर्गेश कुमार के एक पुत्री व एक पुत्र है। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे।

15 दिसंबर से लेकर 14 जनवरी के बीच नहीं होंगे ये शुभ-मांगलिक काम

हिंदू धर्म में खरमास का बहुत महत्व है. इस दौरान शादी-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ-मांगलिक काम वर्जित माने जाते हैं.

खरमास की अवधि को हिंदू धर्म में शुभ–मांगलिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है. इसलिए खरमास के 30 दिनों में ये काम वर्जित माने जाते हैं. बता दें कि सूर्य जब–जब गुरु की राशि में प्रवेश करते हैं तब खरमास लग जाता है.आज 15 दिसंबर 2024 को सूर्य का गोचर धनु राशि (नतलं ळवबींत) में होगा, जिसके बाद खरमास लग जाएगा. इसके बाद जनवरी में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे तब खरमास की समाप्ति होगी. ऐसे में 15 दिसंबर से लेकर 14 जनवरी के बीच इन 30 दिनों में कोई भी शुभ काम नहीं होंगे. अगर आपको ये काम करने हैं तो इसके लिए 14 जनवरी यानि मकर संक्रांति 2025 तक इंतजार करना होगा.खरमास 2024–2025 ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि, इस साल खरमास की शुरुआत रविवा 15 दिसंबर से होगी. वहीं धनु संक्रांति सूर्य मूल नक्षत्र सुबह 07:35 से, प्रतिपदा दोपहर 01:12 से, आद्रा 02:34 से शुरू होगा. इसके बाद मंगलवार 14 जनवरी 2025 को प्रतिपदा मध्यरात्रि 03:19, पुनव. (सु नक्षत्र सुबह 10:27 में मकर संक्रांति पर सूर्य का उत्तरायण होगा और खरमास समाप्त हो जाएगा. खरमास में क्यों नहीं होते शुभ कामसूर्य देव जब गुरु का राशि में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है. सूर्य जितने दिनों तक गुरु की राशि में रहते हैं तब तक खरमास रहता है. इसका कारण यह है कि धनु देव गुरु बृहस्पति की आग्नेय राशि है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि सूर्य जब धनु में गोचर करते हैं तो गुरु की शुभता कम हो जाती है. धनु राशि यानी अग्नि भाव में सूर्य को होने पर स्थितियां बिगड़ती है. इस समय मौसम में भी बदलाव देखे जाते हैं. माना जाता है कि इस समय किए शुभ कामों का शुभ परिणाम कम मिलता है धनु खरमास में नहीं होंगे ये काम खरमास के 30 दिनों में शादी–विवाह, सगाई, नए घर में प्रवेश, मुंडन और अन्य सभी शुभ–मांगलिक कार्य वर्जित हो जाएंगे. धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान किए इन कामों का शुभ फल नहीं मिलता है.खरमास में नए मकान का निर्माण, नए मकान की खरीदारी, किसी नए

काम या बिजनेस की शुरुआत भी नहीं करनी चाहिए. मंगल कामों के किए यह समय शुभ नहीं माना जाता. अगर आपको बिजनेस या करियर से जुड़ा कोई जरूरी काम करना है तो 30 दिनों तक रुकना ही बेहतर रहेगा. यह समय नए प्रोजेक्ट, नई डील या बड़े निवेश के लिए भी अच्छा नहीं है.

काशी विश्वनाथ से क्या है मां अन्नपूर्णा का संबंध

मार्गशीर्ष महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि को अन्नपूर्णा जयंती के रूप में मनाया जाता है. इस साल अन्नपूर्णा जयंती 15 दिसंबर 2024 को पड़ रही है. मां अन्नपूर्णा की कृपा से अन्न–धन का भंडार सदैव भरा रहता है. इसलिए इन्हें भरण–पोषण की देवी कहा जाता है.मां अन्नपूर्णा देवी पार्वती का ही रूप है. इन्हें अन्नदा और शाकुम्भी भी कहते हैं. लोगों की भूख मिटाने के लिए मां पार्वती ने ही अन्नपूर्णा का रूप धारण किया था. लेकिन क्या आप जानते हैं काशी विश्वनाथ से मां अन्नपूर्णा का क्या संबंध है.काशी को महादेव की नगरी कहा जाता है, क्योंकि यहां कण–कण में शिव विराजते हैं. इसके साथ ही काशी में मां अन्नपूर्णा का मंदिर भी है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, यह देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो श्रीयंत्र के आकार में निर्मित है.वैसे तो देशभर में मां अन्नपूर्णा के कई मंदिर हैं. लेकिन काशी में विराजमान मंदिर की महिमा खास है. शास्त्रों के अनुसार पार्वती जी ने मां अन्नपूर्णा का रूप धारण कर स्वयं काशी में रहने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद शिवजी उन्हें काशी लेकर आ गए. बाबा की नगरी काशी में विश्वनाथ मंदिर से कुछ ही दूरी पर मां अन्नपूर्णा का मंदिर भी है. भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद मां अन्नपूर्णा के दर्शन जरूर करते हैं. अन्नपूर्णा जयंती और अन्नकूट उत्सव पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ जुटती है.वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के पास मां अन्नपूर्णा का मंदिर दशाश्वमेध मार्ग, विश्वनाथ गली में स्थित है. अपने धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक आकर्षण के लिए यह मंदिर प्रसिद्ध है. भक्त जीवन में सुख और समृद्धि के लिए मां का आशीर्वाद लेने इस मंदिर में जाते हैं.

सौभाग्यशाली लोगों को दिखाई देती है नागा साधुओं की शाही बारात, महाकुंभ में होती है आकर्षण का केंद्र

महाकुंभ 2025 का आरंभ पौष माह की पूर्णिमा यानी की 13 जनवरी से होगा और महाशिवरात्रि यानी 26 फरवरी के दिन इसका समापन हो जाएगा. महाकुंभ हर 12 साल में एक बार लगता है और इसमें देश विदेश के सभी साधु–संतों का जमावड़ा देखने को मिलता है. इतना ही नहीं महाकुंभ में मुख्य आकर्षण का केंद्र नागा साधु होते हैं और बड़े पैमाने पर हिस्सा लेते हैं. लोग नागा साधुओं की शाही बारात देखने के लिए काफी दूर–दूर से आते हैं. यह सिर्फ हिस्सा लेने के लिए नहीं बल्कि नागा साधुओं की शाही बारात का अपना अलग महत्व होता है. आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से.महाकुंभ के दौरान यूं तो कई पारंपरिक रीतियां अलग–अलग साधु–संतों के अखाड़ों द्वारा निभाई जाती है लेकिन नागा साधुओं की शाही बरात का बहुत खास महत्व होता है. इसे देखने वाले बहुत ही सौभाग्यशाली माने जाते हैं. साथ ही माना जाता है कि जिन्हें नागा साधुओं की शाही बरात देखने का मौका मिलता है उन पर शिव जी की विशेष कृपा होती है.महाकुंभ में नागा साधुओं की शाही बारात देखने से क्या होता है? पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव जब माता पार्वती से विवाह के लिए कैलाश से अपने ससुराल बारात लेकर निकले थे तब यह बारात काफी आलौकिक और भव्य रूप से निकाली गई थी. क्योंकि बारात तो तीनों लोकों के स्वामी शिव शंकर की थी. भगवान शिव की बारात में समस्त ब्रह्मांड और तीनों लोकों में विद्यमान देवी–देवता, सुर–असुर, गंधर्व, यक्ष–यक्षिणी, साधु–संत, तांत्रिक, भूत–प्रेत समत सभी ग्रह भी शामिल थे. लेकिन भगवान शिव जब माता पार्वती के साथ कैलाश लौटे तब वहां मौजूद नागा साधु उन्हें देखकर रोने लगे भगवान शिव द्वारा कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि वह सब शिव बारात का हिस्सा न बन सके इसलिए वह बहुत दुखी हैं. लेकिन भोले भंडारी शिव ने नागा साधुओं को समझाते हुए उन्हें वचन दिया कि नागा साधुओं को शाही बारात निकालने का अवसर मिलेगा जिसमें स्वयं महादेव मौजूद रहेंगे.इसके बाद समुद्र मंथन के दौरान जब अमृत निकला और पहली बार महाकुंभ का आयोजन हुआ तब भगवान शिव की प्रेरणा से नागा साधुओं ने शाही बारात निकालकर महाकुंभ का आरंभ किया और इस दौरान उन्होंने भव्य शाही बारात निकाली. जिसमें नागा साधुओं ने भस्म, रुद्राक्ष और फूलों से भव्य श्रृंगार किया था. तभी से यह मान्यता है कि जब भी महाकुंभ होगा नागा साधुओं द्वारा शाही बारात निकाली जाती है और जिस व्यक्ति को शाही बारात देखने का मौका मिलता है मानों कि उस पर भगवान शिव की साक्षात कृपा बनी हुई है.

इस मंदिर में हिंदू-मुस्लिम एक साथ करते हैं पूजा, कोई नहीं लौटता खाली हाथ,विदेश से भी आते हैं लोग!

भारत में कई मंदिर बहुत अनोखे हैं. इन मंदिरों में पूजा–पाठ करने के लिए लोगों की खूब भीड़ लगती है. एक मंदिर तो ऐसा है जहां सिर्फ हिंदू ही नहीं मुस्लिम औरतें भी जाकर पूजा–पाठ करती हैं. उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद के रानीपुर स्थित देइया माता जी का मंदिर है. लोकल 18 से बात करते हुए इस मंदिर के पुजारी गोपाल पाठक बताते हैं कि इस मंदिर का इतिहास कोई नहीं बताता. क्योंकि जिस किसी ने इस मंदिर का इतिहास बताने की कोशिश की है उसके साथ हमेशा अनर्थ ही हुआ है. यह वजह है कि इस मंदिर के इतिहास के बारे में कोई कभी न बताता है और ना ही पूछता है.इस मंदिर से कोई नहीं लौटता खालीमंदिर के पुजारी गोपाल पाठक बताते हैं कि इस मंदिर की विशेष मान्यता यह है कि यहां हर किसी की मुराद पूरी होती है. वैसे तो यहां रविवार और मंगलवार को पूजा किया जाता है. लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो यहां आकर प्रतिदिन पूजा पाठ करते हैं. इस मंदिर पर जो भी कोई आया है वह कभी खाली हाथ नहीं गया है. माताजी सबकी मनोकामना पूर्ण करती हैं.देश–विदेश के लोग करते हैं यहां पूजायहां सिर्फ उत्तर प्रदेश के ही नहीं मुंबई, दिल्ली, बिहार जैसे कई अन्य राज्यों से भी लोग आते हैं. इस मंदिर पर सिर्फ भारत ही नहीं दक्षिण अफ्रीका तक के लोग पूजा पाठ करने आते हैं. पुजारी क्या कहना है की माताजी बहुत ही मिलनसार हैं. इन्हें यदि कहीं भी सच्चे मन से याद किया जाए

तो उस व्यक्ति का कष्ट दूर हो जाता है. यहां चढ़ावा में मुख्य रूप से हलवा, पूड़ी, धार और सिंदूर तथा कपूर चढ़ाया जाता है. इनका यही मुख्य चढ़ावा है. यहां प्रत्येक सप्ताह में रविवार और मंगलवार को मेला लगता है. इस दिन यहां उनकी विशेष पूजा की जाती है. इन दोनों दिन यहां खूब भीड़ लगती है.

रामलला को ओढ़ाई गई जयपुरी रजाई, अयोध्या का तापमान पहुंचा 3 डिग्री सेल्सियस

अयोध्यारू बदलते मौसम में राम मंदिर में विराजमान 5 साल के बालक राम के भी ठाठ अब बदलते नजर आ रहे हैं. अयोध्या में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. ऐसे में विराजमान प्रभु राम को ठंड का भी आभास हो रहा है. ठंड को देखते हुए बालक राम जयपुरी रजाई का आनंद ले रहे हैं. इतना ही नहीं प्रभु राम को गर्म देने वाले पदार्थ का भोग लगाया जा रहा है. बढ़ते ठंड को देखते हुए पुजारी बालक के समान अयोध्या में विराजमान प्रभु राम की सेवा आराधना भी करते हैं. प्रभु राम को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो, इसका भी ख्याल रखा जाता है.प्रभु राम को ओढ़ाया जा रहा है गर्म वस्त्र आपको बता दें कि बीते 22 नवंबर से ही प्रभु राम को गर्म वस्त्र धारण कराया जा रहा है. जहां प्रभु राम को कंबल ओढ़ाया जा रहा है, लेकिन अब अयोध्या में तेजी से ठंड पड़ रही है, जिसको देखते हुए प्रभु राम को जयपुरी रजाई अब ओढ़ाई जाने लगी है. इतना ही नहीं प्रभु राम को ठंड को देखते हुए पूरी सब्जी और खीर का भोग भी लगाया जा रहा है, जिसके बाद इस भोग को प्रसाद स्वरूप वितरित भी किया जाता है. इतना ही नहीं अगर आपको अयोध्या के मौसम के बारे में बताएं तो लगातार 3 दिनों से अयोध्या में ठंड ने दस्तक दी है. यहां के तापमान में भी भारी गिरावट देखने को मिली है. मौसम विभाग के अनुसार अयोध्या का तापमान इस वक्त 3 डिग्री सेल्सियस है.राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि राम लला की सेवा एक बालक के रूप में की जाती है. 20 नवंबर से ही रामलला गर्म वस्त्र धारण कर रहे हैं. भोग राग में भी ठंड को देखते हुए बदलाव किया गया है. जहां प्रभु राम को कंबल भी ओढ़ाया जा रहा हैपुजारी प्रभु राम का रख रहे हैं ध्यान इन दिनों अयोध्या में ठंड ज्यादा पड़ रही है, तो ऐसी स्थिति में प्रभु राम को जयपुरी रजाई ओढ़ाया जा रहा है. प्रभु राम को गर्म पानी से स्नान कराया जा रहा है. साथ ही पूरी सब्जी खीर का भोग भी लगाया जा रहा है. बालक राम को किसी प्रकार की ठंड न लगे. इसके लिए पुजारी इसका विशेष ध्यान भी रख रहे हैं.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा –संम्पादक

मो:–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट

हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा

25 या 26 दिसंबर, कब है सफला एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व होता है. एकादशी वाले दिन किया जाने वाला व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है. एक महीने में एकादशी का व्रत दो बार आता है. चलिए जानते हैं कि दिसंबर महीने में सफला एकादशी कब है?पौष माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सफला एकादशी के रूप में जाना जाता है. इस एकादशी का व्रत रखने वाले लोगों को ज्यादातर कष्टों से मुक्ति मिल जाती है. आइए, जानते हैं कि दिसंबर माह में सफला एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा और इस व्रत का पारण समय क्या है?सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करनी होती है. इससे मनचाहा फल मिलेगा. इस दौरान आप जो भी काम करेंगे, आप अवश्य सफल होंगे. इस दौरान जिस भी कार्य से आपको बाधा आएगी, वह सफला एकादशी के व्रत से दूर हो जाएगी. सफला एकादशी कब है?सफला एकादशी का व्रत 26 दिसंबर, 2024 को रखा जाएगा. पंचांग की मानें तो पौष माह की कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का 25 दिसंबर को रात 10:29 बजे शुरू होगा. एकादशी का समापन 27 दिसंबर को रात 12:43 बजे होगा. एकादशी वाले दिन पारण का शुभ समय क्या है, चलिए जानते हैं. व्रत का पारण 27 दिसंबर, 2024 को किया जाएगा. पारण का समय सुबह 7:12 बजे से सुबह 9:16 बजे तक है. बता दें कि पारण एकादशी व्रत के अगले दिन सूर्योदय के बाद किया जाता है.एकादशी वाले दिन ये दो चीजें दान करें सफला एकादशी वाले दिन गुड़ का दान करें. ये दान करना आपके लिए बेहद लाभदायक साबित होगा. गुड़ का दान करने से आपकी सेहत अच्छी रहेगी. सफला एकादशी वाले दिन गरीबों को गर्म कपड़े भी दान करें. ऐसा करने से आपके मन की सभी इच्छाएं पूर्ण हो जाएंगी.

वृंदावन वाले प्रेमानंद जी महाराज के विचार सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं.

इंस्टाग्राम से लेकर यूट्यूब शॉट्स तक हर जगह उनके सत्संग की छोटी–छोटी क्लिप वायरल है. उनके पास समस्याओं को लेकर दूर–दूर से लोग आते हैं. महाराज जी अपने श्रद्धालुओं की हर समस्या का जवाब बड़ी आसानी से देते हैं. वे जीवन के कई विषयों पर अपनी बात रखते हैं. ऐसे में प्रेमानंद जी ने पितृपक्ष को लेकर एक बात कही है. उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि पितृपक्ष को लेकर ये गलतियां कभी न करें, नहीं तो जीवन भर पितृदोष बना रहता है और उसके बुरे परिणाम भी भुगतने पड़ते हैं.प्रेमानंद जी महाराज ने बताया है कि जिस व्यक्ति की अकाल मृत्यु हुई है, उसका संस्कार विधि–विधान से की जानी चाहिए. अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो व्यक्ति को पितृदोष लगता है.पितरों के नाम से गलत काम महाराज जी ने बताया है कि जो व्यक्ति पितरों के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, उनके नाम से पाप कर्म करता है तो पितृदोष लगता है. यह कभी दूर नहीं होता है.माता–पिता का अपमान करने पर जो व्यक्ति अपने माता–पिता या घर के बुजुर्गों का अपमान करता है. उसको पितृदोष के कारण होने वाले परिणामों को भुगतना पड़ेगा. वहीं अगर बुजुर्गों के उपकारों को नहीं माना जाता है तो यह भी बुरा परिणाम प्रदर्शित करता है.पितरों का जरूर करें श्राद्ध प्रेमानंद जी महाराज ने बताया है कि जो व्यक्ति अपने पितरों का श्राद्धकर्म या तर्पण के काम और धार्मिक अनुष्ठानों को नहीं करता है तो उन्हें पितृदोष के परिणाम भुगतने पड़ेंगे.गौ हत्या करने वाले प्रेमानंद जी महाराज के मुताबिक जो व्यक्ति गौ हत्या का पाप कर्म करता है या उसमें सहभागिता निभाता है उस इंसान को पितृदोष के नतीजे भुगतने ही पड़ते हैं.